cial Assistance to the Freedom Fighters of Goa Daman and Diu. An amount of Rs. 60 per month for the period of 5 years from 1st June 1962 was sanctioned by the Government of Maharashtra to his mother Smt. Ramabai Vishnu Apte. The amount of monthly pension has been enhanced to Rs. 100/- per month from 1.5.1966 and continued for her life. As regards Shri Telo Mascranhas Rs. 2000 has been sanctioned as lumpsum grant to his family under the Financial Assistance Scheme to the Freedom Fighters. In addition a monthly pension of Rs. 60/- has also been sanctioned to his family under the scheme.

(c) Does not arise.

12.16 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Reported Firing of Rockets by China from Sinkiang into the Bay of Bengal

श्री बेणी शंकर शर्मा (बंका) : अध्यक्ष महोदय, मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्न-लिखित विषय की ओर प्रतिरक्षा मंत्री का ध्यान दिलाता हूँ और प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :

> "चीन द्वारा मार्च, 1968 के अन्तिम सप्ताह में सिक्यांग से बंगाल की खाड़ी में राकेट छोड़ने और राकेट की नोक की शक्ल के धातु के टुकड़े नेपाल के राज्य क्षेत्र में गिरने के समाचार।"

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SWARAN SINGH) : Mr. Speaker, Sir Government have received a report that on 25th March, 1968, at about 2215 hrs. a metallic object, conical in shape, 6 ft. in diameter at the broader end and approximately 3 ft in height, crashed at Baltichaur, about 5 miles North East of Pokhra in North West Nepal. The object made a crater of approximately 2 ft. at the point of landing. Before crashing the object was reported to be blazing bright, flashing intermittently and the crash was followed by some thundering sound. Parts of the object are also reported to have been found at some distance in the surrounding area.

The object in question has been taken into possession by the Government of Nepal and, presumably, they are examining it. Until more detailed information is available, it is not possible to express a definite opinion about the nature of the object or as to whether it was a piece of a rocket fired by the Chinese towards the Bay of Bengal. *Prime facie*, the objects found seem to be parts of a multistage rocket. Government will endeavour to obtain further detailed information with regard to it.

श्री बेणी शंकर शर्मा : अध्यक्ष महोदय, सन् 1960 से ही करीब करीब यह निश्चित रूप से विदित हो गया था कि भारत के प्रति चीन के इरादे अच्छे नहीं हैं। हमारे प्रतिरक्षा विशेषज्ञों द्वारा बार बार चेतावनी दिये जाने के बावजूद भी हमने चीन के मुकाबले में किसी प्रकार का तैयारी नहीं की। जब 1962 में चीन ने हम पर हमला किया, तो हमें बुरी तरह मुंह की खानी पड़ी और जिस शर्मनाक परिस्थिति का हमें सामना करना पड़ा, उसकी याद आते ही हृदय दुःख एवं क्षोभ से भर जाता है।

यह कहने की कोई आवश्यकता नहीं है कि उसके बाद भी चीन के रूख में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं हुआ। न चीन ने अपने इरादों को छिपाने की ही चेष्टा की है। पाकिस्तान के साथ उस की सांठगांठ; आये-दिन हमारी सीमाओं पर छेड़खानी, हमारे राजनयिकों के साथ घोरतम अमानुषिक दुर्व्य-वहार आदि ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं, जिनसे यह साफ जाहिर है कि चीन की ओर से भारत की स्वतंत्रता को सबसे बड़ा खतरा है।

उसके एजेंटों के द्वारा हाल ही में आसाम में जो प्रान्तीयता के विष के नाम पर तांडव नृत्य किया गया तथा आसाम के सम्बन्ध में जो उसके षडयंत्र की परिकल्पना के कागजात मिले

हैं, उनसे उसके इरादों के सम्बन्ध में मूर्ख से भी मूर्ख को किसी प्रकार की शंका नहीं होगी।

इस अवस्था में जहां उसका एटम बम और हाइड्रोजन बम का विस्फोट करना हमारे लिये चिन्ता का विषय था, उसका सिक्यांग से बंगाल की खाड़ी में सफलतापूर्वक राकेटप्रक्षेपण का प्रयोग करना एक ऐसी चीज है, जिसकी ओर से हम अपनी आंख नहीं बन्द कर सकते।

जब कोई व्यक्ति किसी जानवर के ऊपर आक्रमण के विचार से अस्त्र उठाता है, तो वह जानवर भी उसी समय से अपने बचाव के लिये पैंतरे बदलता है। किन्तु हम एक ऐसे जानवर हैं, जो जब तक सिर पर सीधा प्रहार नहीं होता, तब तक चेतने का नाम नहीं लेते।

हमारे वैज्ञानिकों में एटम बम, हाउड्रोजन बम तथा प्रक्षेपास्त्र बनाने की पूरी योग्यता है सब साधन भी हमारे पास हैं। फिर भी हम शत्रु का मुकाबला कर सकें, इसके लिए हम कोई तैयारी नहीं कर हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। इससे बढ़ कर और मूर्खता क्या हो सकती हैं ?

अतएव क्या माननीय मंत्री जी यह वताने की कृपा करेंगे कि जब चीन सीधे हमारे सिर के ऊपर से राकेट फैंकने में सफल हो गया है, तो वह कब तक इसे उस प्रकार के शस्त्रास्त्र भारत में भी निर्माण करने ग्रीन सिग्नल देंगे।

SHRI SWARAN SINGH: I do not think we can discuss during this call attention notice the policy about the development of nuclear energy for purposes other than peaceful.

MR. SPEAKER: If a clarification is necessary, it can be given. No discussion of major policy questions now.

श्री यशवन्त सिंह कुशवाह (भिंड) : जब चीन द्वारा भारत पर आक्रमण किया गया था, तब भारत की मदद करने के लिये कोई अन्य राष्ट्र नहीं आये थे अभी चीन के कब्जे में भारत के कई हिस्से है, उनको छुड़ाने के सिलसिले में भारत की मदद करने के लिये कोई विदेशी तैयार नहीं है। ऐसी हालत में भारत को डराने के लिये चीन जो घातक हथियार बना रहा है और जिनके परीक्षण कर रहा है उनसे भारत अपनी रक्षा आप कर सकें, इसके लिये भारत सरकार क्या क्या तैयारी कर रही है ? क्या भारत में ऐसे सब प्रकार के हथियार तैयार किये जायेंगे जिनसे चीन के खतरे का भारत मुकाबला कर सकेगा ?

SHRI SWARAN SINGH: I do not think the hon. Member seriously expects me to disclose the preparations we make to meet any threat from China or any of our other potential enemies. This is a question about the discovery of a certain piece, *prima facie*. of a multi-stage rocket, in Nepal. We cannot say that it is of Chinese origin because at the present moment there is nothing to indicate that it is even of Chinese origin. So to open the whole question of Chinese strategy and what our defences are is certainly not relevant to the present question.

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : अध्यक्ष महोदय मंत्री जी ने कहा कि उनका ध्यान इस रपट की ओर गया है। तो सबसे पहले में जानना चाहूंगा कि इनको इस बात की खबर किस तारीख को मिली या इस ध्यान आकर्षण प्रस्ताव के स्वीकार करने के बाद इन्होंने इसकी जानकारी हासिल करने की कोशिश की ? मैं यह इसलिये पूछ रहा हूँ कि इनके पास जो फौजी जासूसी विभाग हैं या जो गृह मंत्री जी के पास हैं—मैं खास कर फौजी जासूसी विभाग के बारे में पूछ रहा हूँ कि क्या इस विभाग ने इनको 27 मार्च को ही यह खबर दी थी या ध्यान आकर्षण प्रस्ताव स्वीकार करने के बाद दी थी ?

दूसरे—क्या उनको इस बात की जानकारी है कि वहां पर इसकी तसवीर खींचने के लिये लोग गये थे, लेकिन नैपाल सरकार ने उनको मना किया। मैं जानता हूँ कि नैपाल के साथ दोस्ताना रिश्ते हमको रखने चाहिये, इसलिये

[श्री मधु लिमये]

इनके विरुद्ध में कोई ऐसी बात नहीं कहना चाहता हूँ—लेकिन क्या मंत्री महोदय का ध्यान इस बात की ओर गया है कि वह जो मल्टी स्टेज रोकेट है—जिसका दूसरा या पहला हिस्सा गिर गया था और जानकार लोगों का अनुमान है कि सिक्यांग से हिन्द महासागर की दिशा में वह छोड़ा गया था—चीन ये प्रक्षेपणास्त्र इस लिये तैयार कर रहा है कि वह भारत और एशियाई लोगों को डराना चाहता है ? इसलिये क्या मंत्री महोदय सदन को इस बात की जानकारी देंगे कि क्या इस वक्त चीन सरकार द्वारा नेपाल पर इतना ज्यादा दबाव डाला गया है कि इसके बारे में वह भारत को और दुनिया को कोई जानकारी न दे ? क्या इस तरह का प्रयास पीकिंग के द्वारा किया जा रहा है ?

SHRI SWARAN SINGH : It is not a fact that we learnt about this only when this call attention notice was admitted. We knew it soon after, sometime towards the end of March ; I cannot at the present moment give the exact date.

About the second question, I have no information that the Nepal authorities did not permit the object to be photographed in Nepal. We must, however, bear this in mind that it will be entirely for the Nepal Government to decide as to whether they would permit anybody to photograph this or not or want information they would liked to give. I would make an appeal to hon. members that we should not discuss it here openly because we should respect the national sovereignty of another country.

श्री मधु लिमये : हम तो जानकारी मांग रहे है, हम उनके अधिकार के बारे में कहां कह रहे हैं ?

SHRI SWARAN SINGH : You cannot compel them to permit us or any other country to photograph this thing. Just as, I have no hesitation in saying, certain parts of multi-stage rockets and in fact material ejected by certain satellites have been discovered even in India and we never permit other countries to photograph them, whether they are friendly or are opposed to us. So each country decides for itself as to what it should do.

श्री मधु लिमये : इसमें दूसरे देशों की बात नहीं है। मैंने यह नहीं कहा है कि हिन्दुस्तान को इजाजत दी गई या नहीं। मैं तो यह जानकारी मांग रहा हूँ कि क्या नेपाल के लोगों को ही उसकी तसवीर खींचने की इजाजत नहीं दी गई। वह हां या न कहें। मैं केवल जानकारी मांग रहा हूँ।

MR. SPEAKER : He got the information by the end of March.

SHRI SWARAN SINGH : About the other question as to whether this was a multi-stage rocket being fired from Sinkiang to the Bay of Bengal, I have already said in the main statement that the material at present available is not conclusive enough to give an opinion one way or the other.

श्री मधु लिमये : मैंने यह पूछा था कि क्या चीन के द्वारा नेपाल पर इस वक्त बहुत ज्यादा दबाव डाला जा रहा है जिससे कि इसके बारे में वह गुप्तता रखे। इसके बारे में इनको जानकारी रहनी चाहिये कि चीन के क्या कारनामे चल रहे हैं।

SHRI SWARAN SINGH : I have no information.

12.25 hrs.

RE : MOTION OF PRIVILEGE

MR. SPEAKER : Sometime ago, I made a mention of a privilege motion given notice of by Shri A. B. Vajpayee. But yesterday it was raised by Shri Madhu Limaye—it was not raised rather, it was discussed for nearly an hour and a half.

SHRI NATH PAI (Rajapur) : Not discussed.